(ख) भवभूति का परिचय देते हुए उनकी कृतियों का वर्णन कीजिए । **10**

अथवा

कालिदास का जीवन परिचय व रचनाओं का सामान्य परिचय दीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : **4×2=8**

(i) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

(ii) सम्बोधने च

(iii) येनांगविकार

(iv) ध्रुवमपायेऽपादान ।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** को शुद्ध कीजिए : **2×4=8**

(i) हरि वैकुण्ठं तिष्ठति ।

(ii) ग्रामस्य सर्वतः जलमस्ति ।

(iii) नृपः चौराय शतं दण्डयति ।

(iv) रामः स्वभावात् मधुरः ।

(v) रमेशः सिंहेन बिभेति ।

(vi) पिता पुत्रे स्निह्यति ।

(vii) सः तण्डुलैः ओदनं पचति ।

(viii) रामः ग्रामस्य गच्छति ।

Roll No. ..... **Exam Code : M-21**

Subject Code—52160

B. A. EXAMINATION

(Batch 2017) (Re-appear)

(Fifth Semester)

SANSKRIT (Compulsory)

Time : 3 Hours *Maximum Marks :* 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित **आठ** प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : **8×2=16**

(i) 'नीतिशतक' के रचयिता का नाम बताइए ।

(ii) 'नीतिशतक' के अनुसार 'मौन' किसका आभूषण है ?

(iii) भर्तृहरि ने कितने शतकों की रचना की है ?

(iv) भर्तृहरि के अनुसार किस प्रकार के मनुष्य को प्रसन्न नहीं किया जा सकता ?

(v) 'रामायण' के रचयिता का नाम बताइए ।

(vi) कालिदास की कितनी कृतियाँ हैं ? उनका नाम लिखिए ।

(vii) नमः, स्वस्ति, स्वधा के योग में कौनसी विभक्ति होती है ?

(viii) कारक का क्या अर्थ है ? इसके कितने भेद हैं ?

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का सरलार्थ कीजिए : **2×5=10**

(i) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः ।
ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि तं नरं न रंजयति ॥

(ii) साहित्यसंगीतकलाविहीनः साक्षात्पशु पुच्छविषाणहीनः ।
तृणं न खादन्नपि जीवमानः तद् भागधेयं परमं पशूनाम् ॥

(iii) येषां न विद्या न तपो न दानं,
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः ।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः,
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ॥

(iv) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वरचरैः सह ।
न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि ॥

(ख) किसी **एक** सूक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : "विभूषणं मौनमपंडितानाम्" । **6**

अथवा

विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ।

3. (क) किन्हीं **दो** श्लोकों का सरलार्थ कीजिए : **2×5=10**

(i) परिवर्तिनी संसारे मृतः को वा न जायते ।
स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम् ॥

(ii) कुसुमस्तबकस्येव द्वयी वृत्तीः मनस्विनः ।
मूर्ध्नि वा सर्वलोकस्य शीर्यते वन एव वा ॥

(iii) तानीन्द्रियाण्यविकलानि तदेव नाम
सा बुद्धिरप्रतिहता वचनं तदेव ।
अर्थोष्मणा विरहितः पुरुषः स एव
त्वन्यः क्षणेन भवतीति विचित्रमेतत् ।

(iv) दानं भोगो नाशस्तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य ।
यो न ददाति न भुंक्ते तस्य तृतीया गतिर्भवती ॥

(ख) किसी **एक** सूक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**
सर्वे गुणाः कांचनमाश्रयन्ति ।

अथवा

न खलु वयस्तेजसो हेतुः ।

4. (क) रामायण **अथवा** हितोपदेश पर टिप्पणी लिखिए । **6**